डॉक्टर डूलिटल का जादुई इलाज

ह्यूग लॉफ्टिंग



रूपांतरण: डायने नैम, चित्र: जॉन कैनज़लर

डॉक्टर डूलिटल का जादुई इलाज

ह्यूग लॉफ्टिंग

रूपांतरण: डायने नैम

चित्र: जॉन कैनज़लर





विषय-वस्तु





घर आकर अच्छा लगा

सर्कस मगरमच्छ की माँ उसे घर पर पाकर खुश हुई.

वह बहुत समय से घर से दूर था.

"मुझे सब कुछ बताओ," माँ ने कहा.

"जब मैं पुडलबी में था,

तो मुझे तुम्हारी याद आती थी, माँ," उसने कहा.

"इसलिए फिर हम अफ्रीका के लिए रवाना हुए,"

डॉक्टर डूलिटल ने कहा.

"फिर एक बहुत भयानक तूफान आया,"

तोते पोलिनेशिया ने कहा.

"हमारा जहाज खो गया लेकिन

भाग्यवश किसी ने हमें ढूंढ़ा,"

ची-ची बंदर ने कहा.



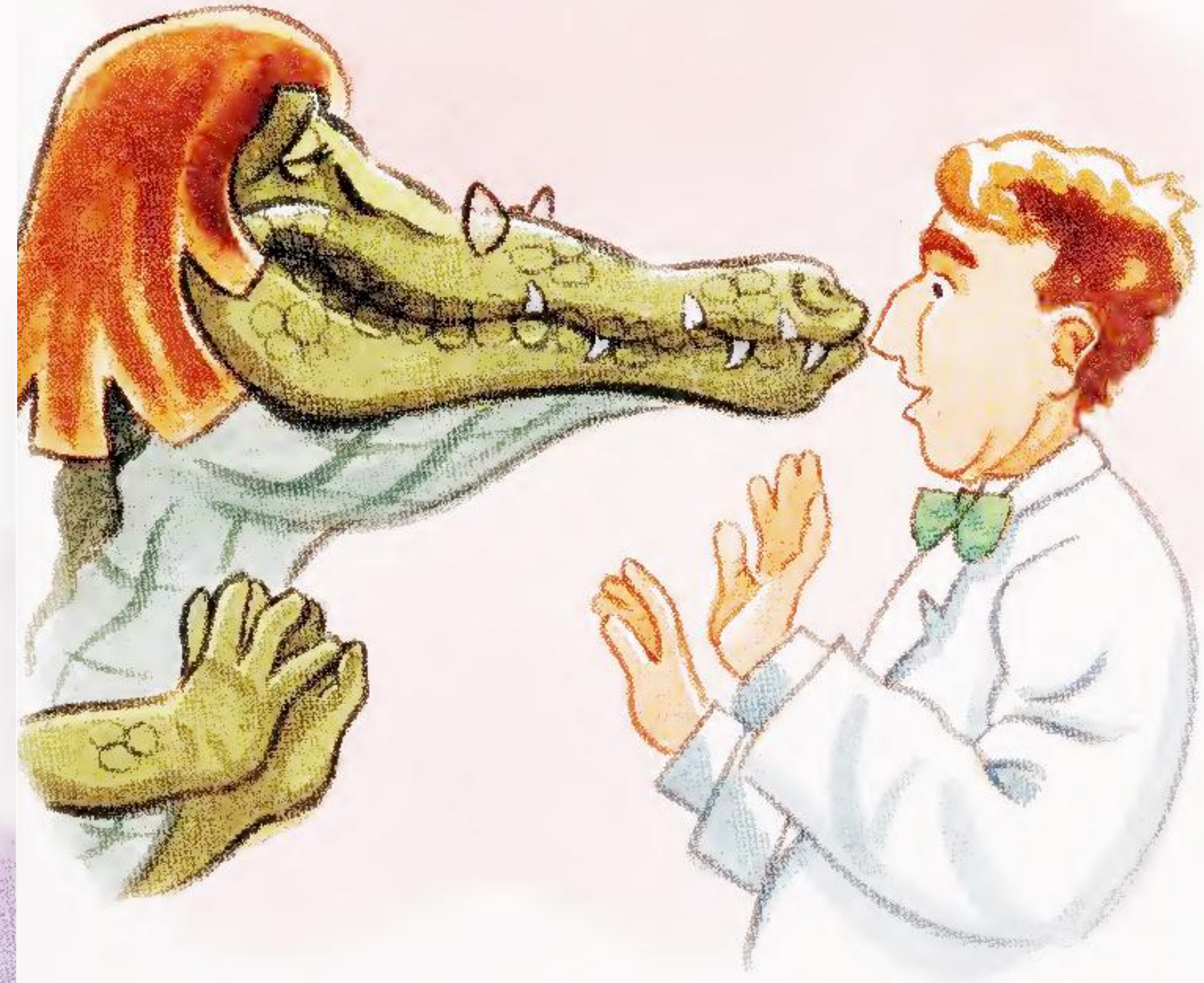
"अरे बाप रे,'' माँ मगरमच्छ ने कहा.

"फिर तुमने मुझे कैसे ढूंढ़ा?"

"एक नक्शे से, बेशक, और थोड़ी किस्मत से,"

डॉक्टर डूलिटल ने कहा.





माँ मगरमच्छ ने उन्हें नाक पर चूमा और कहा,

"मेरे बेटे को घर लाने के लिए तुम्हारा धन्यवाद."

डॉक्टर का चेहरा लाल सुर्ख हो गया!



तभी उस द्वीप के राजा महान शेर

का एक संदेशवाहक आया.

"मदद करो!" संदेश में लिखा था.

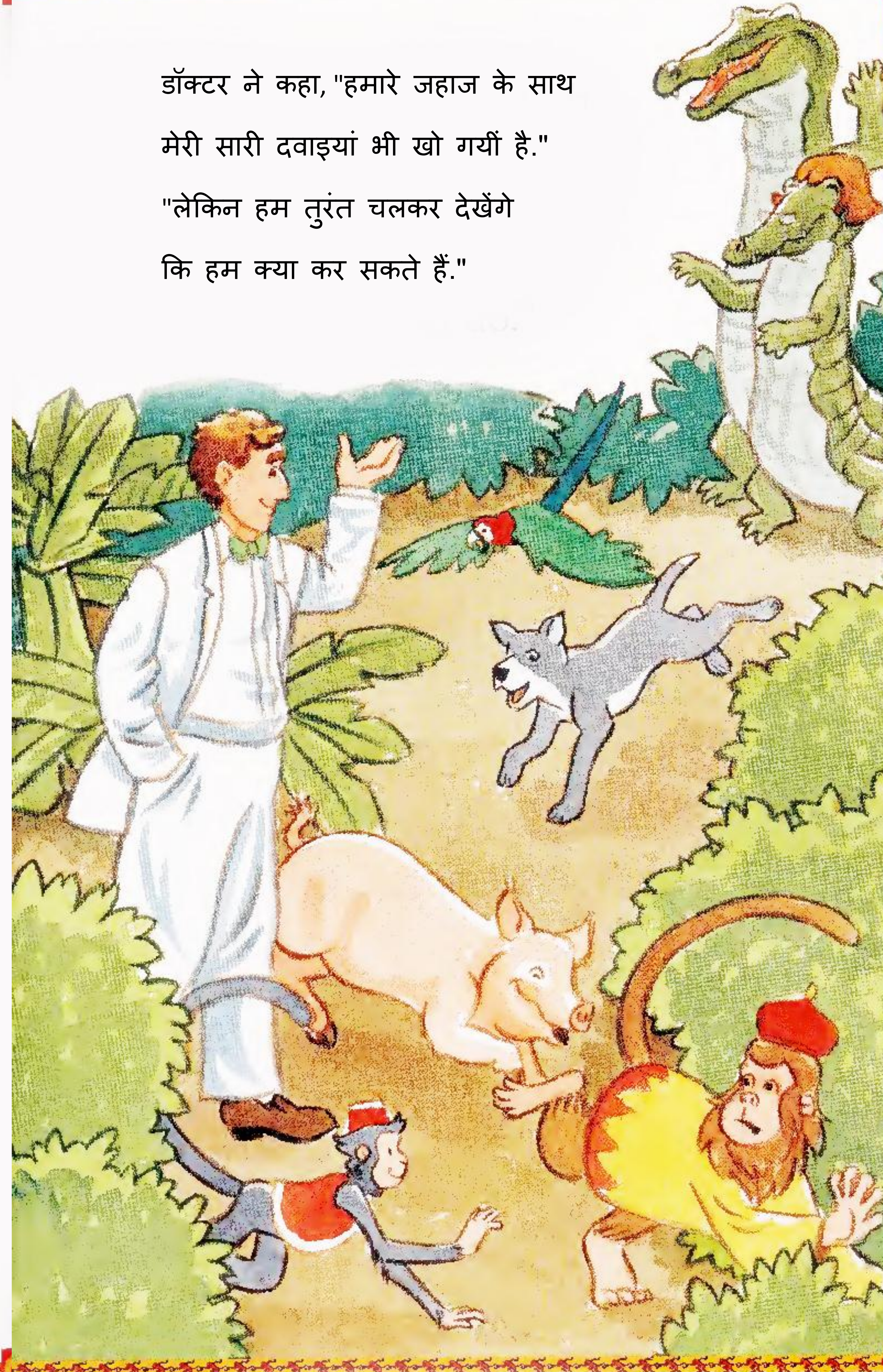


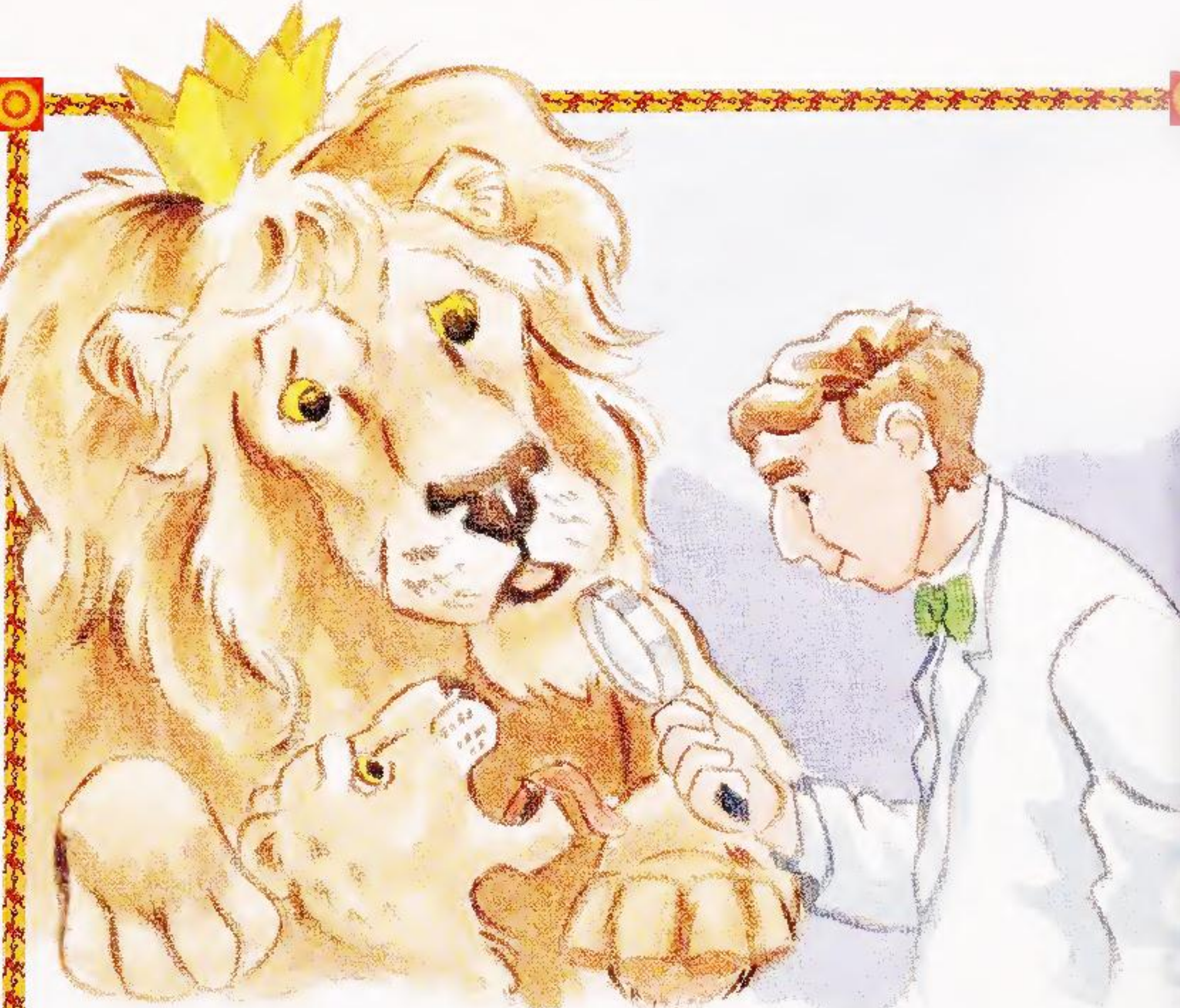


डॉक्टर डूलिटल बचाव के लिए

"शेर का बेटा राजकुमार शावक बहुत बीमार है,"
संदेशवाहक ने समझाया.
"महान राजा शेर को पता नहीं कि वो क्या करें.
उन्होंने सब उपचार किए
लेकिन किसी ने भी काम नहीं किया.
तब बंदर परिषद ने कहा कि
डॉक्टर डूलिटल के पास उसका इलाज ज़रूर होगा."

डॉक्टर ने कहा, "हमारे जहाज के साथ
मेरी सारी दवाइयां भी खो गयीं है."
"लेकिन हम तुरंत चलकर देखेंगे
कि हम क्या कर सकते हैं."





डॉक्टर ने शेर के बच्चे को देखकर कहा,

"तुम कुछ ही समय में ठीक हो जाओगे."

"कृपया अपनी जीभ बाहर निकालो."

फिर डॉक्टर ने अपना चश्मा निकाला.

"अहा," डॉक्टर डूलिटल ने कहा,

"जैसा कि मुझे संदेह था वही निकला!"

"क्या तुम उसका इलाज कर सकते हो?"

शेर राजा ने पूछा.

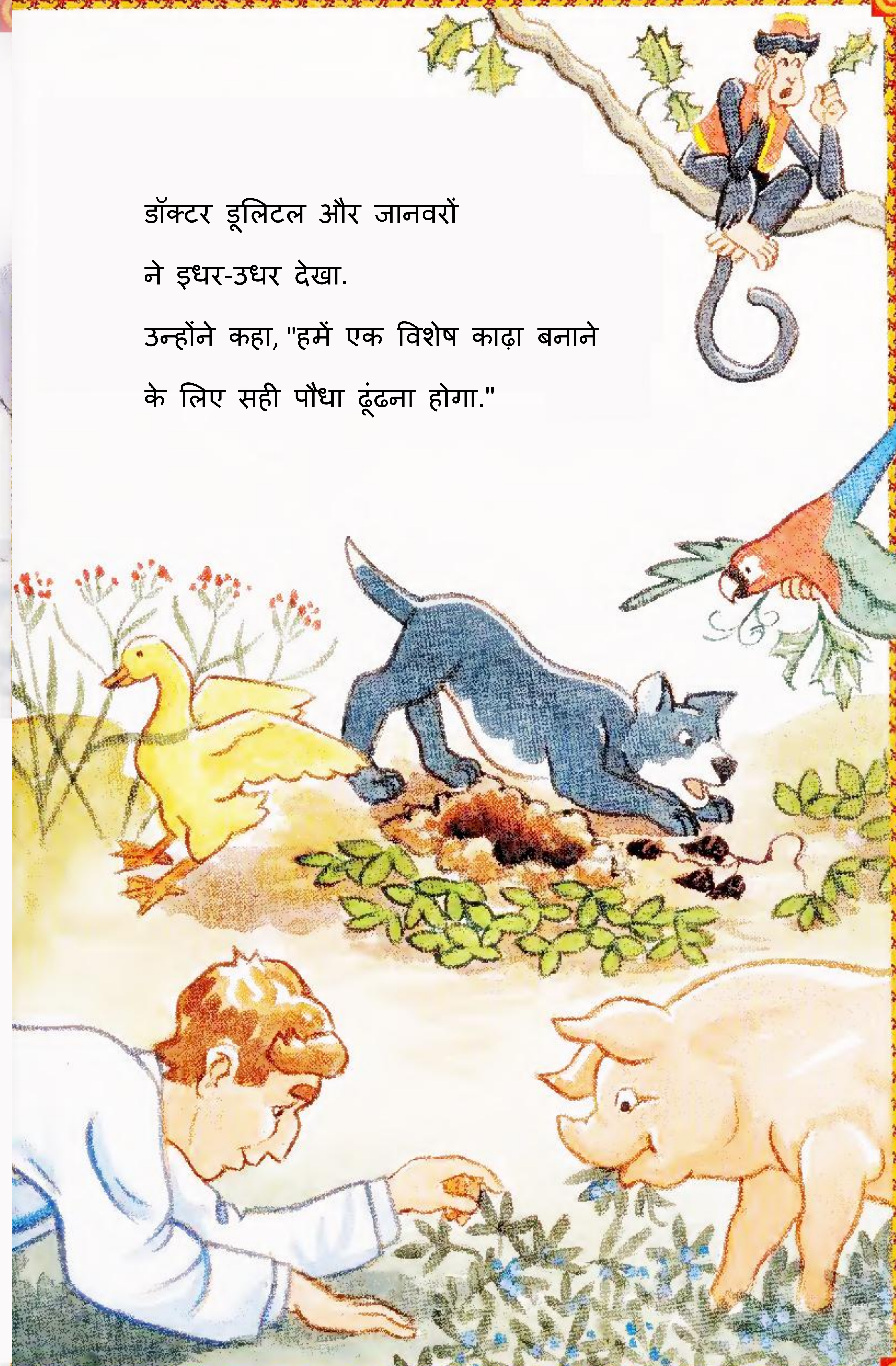
"बिल्कुल!" डॉक्टर ने कहा.

डॉक्टर डूलिटल और जानवरों

ने इधर-उधर देखा.

उन्होंने कहा, "हमें एक विशेष काढ़ा बनाने

के लिए सही पौधा ढूंढना होगा."



"क्या वो काढ़ा काम करेगा?" जानवरों ने पूछा.

डॉक्टर ने तमाम पौधों का निरीक्षण किया.

"बहुत पत्तेदार. बहुत भूरे. बहुत बड़े.

बहुत छोटे," उन्होंने अपनी भौंहें सिकोड़ते हुए कहा.



"इसे देखो!" डॉक्टर ने कहा.

"क्या?" जानवरों ने पूछा.

उन्हें कोई भी पौधा नहीं दिखा.





"वो हमारा जहाज है!" डॉक्टर ने चिल्लाकर कहा.

फिर जानवर जहाज को किनारे तक खींचकर लाए.

डॉक्टर डूलिटल को अपनी दवाइयों का थैला मिल गया.

"अब हम ज़रूर मदद कर सकते हैं!" उन्होंने कहा.

डॉक्टर डूलिटल ने

राजकुमार शावक को एक चम्मच इसका

और एक चम्मच उसका दिया.

राजा शेर इंतजार करता रहा और देखता रहा.





पुश्मी-पुल्लु धन्यवाद!

कुछ समय बाद

छोटा राजकुमार शावक उठ बैठा.

उसने अपनी बाहें फैलाईं.

फिर वह बिस्तर से कूद गया.

"मैं अब ठीक हूँ!" उसने कहा.

"डॉक्टर," राजा ने कहा,

"आप एक प्रतिभाशाली व्यक्ति हैं!

मैं आपका ऋण कैसे चुका सकता हूँ?"

"उसके लिए एक साधारण धन्यवाद ही काफी होगा,"

डॉक्टर डूलिटल ने राजा से कहा.



"एक शाही इलाज के लिए एक शाही धन्यवाद

की आवश्यकता होगी!" राजा ने कहा.

"हम चाहते हैं कि हम आपको अपनी सबसे

पसंदीदा चीज़ भेंट करें," राजकुमार शावक ने कहा.

"हमारा पुश्मी-पुल्ल्यू!"

राजा शेर ने कहा.

"उसे कभी यह पता नहीं होता है कि

क्या वो आगे जा रहा है या फिर पीछे!"

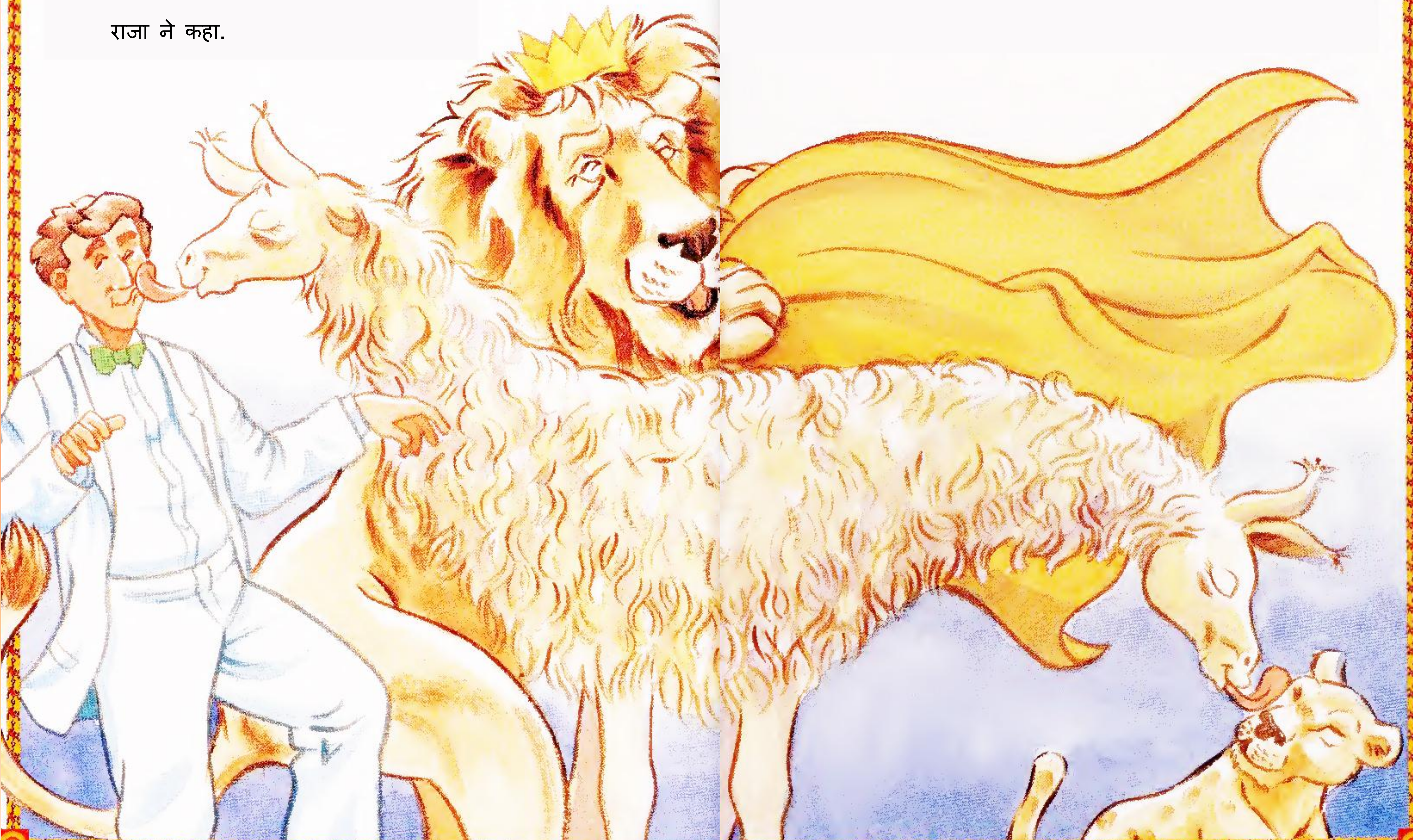
राजा ने कहा.

"अद्भुत!" डॉक्टर ने कहा.

"पुस्मी-पुल्ल्यू क्या करता है?"

"मैं आपको दिखाता हूँ!"

राजकुमार शावक ने कहा.





"क्या वो हमेशा एक ही जगह पर चलता है?"

डॉक्टर डूलिटल ने पूछा.

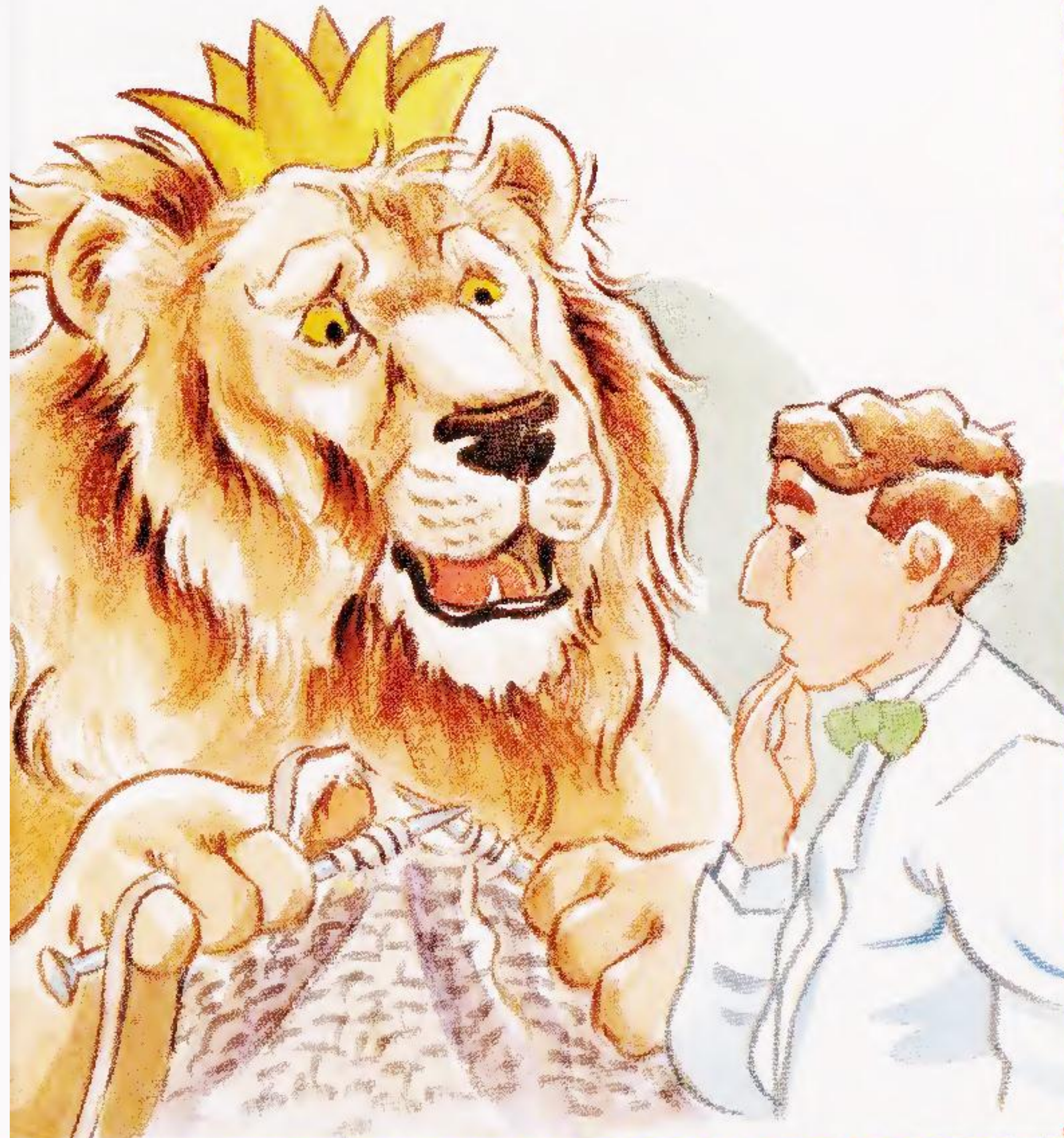
"हमेशा!" राजकुमार शावक ने कहा.

"अद्भुत!" डॉक्टर ने कहा.

"उसका ऊन जादुई है. वो पूरे साल बढ़ता रहता है.

राजा ने कहा, "यह आपको ठंड में गर्म रखेगा,

गर्मी में ठंडा रखेगा और बारिश में सूखा रखेगा."





एक दुखद अलविदा

"पुडलबी में अक्सर बारिश होती है,"
डब-डब को प्यार से याद आया.
"मुझे पुडलबी की याद आ रही है,"
जिप चिल्लाया.
"मुझे भी!" गुब-गुब ने कहा.
"ठीक है, अब यहाँ हमारा काम पूरा हो गया है,"
डॉक्टर डूलिटल ने कहा.
"और अब हमारा जहाज भी तैयार है,"
जानवरों ने उन्हें याद दिलाया.

"क्या मैं आपको यहीं पर रुक जाने के
लिए कुछ नहीं कर सकता?"
"मेरे पास पुडलबी में तमाम ऐसे मरीज हैं
जिन्हें मेरी सख्त ज़रूरत है," डॉक्टर ने कहा.



"तो फिर आपको जाना ही होगा,"

राजकुमार ने कहा.

"मैं आपके साथ जाने के लिए शाही परेड भेजूँगा,"

राजा ने कहा.

"आपको और जानवरों को शानदार

तरीके से विदा किया जाएगा!"

"हमें एक काम और करना है,"

डॉक्टर ने कहा,

"हमें सर्कस मगरमच्छ से

अलविदा लेनी चाहिए"





"मैं नहीं चाहता कि तुम जाओ,"

सर्कस मगरमच्छ ने कहा.

"मुझे यहाँ अच्छा लगता है," ची-ची ने कहा.

"मुझे भी," पोलिनेशिया ने कहा.

"हम नहीं जाना चाहते," उन्होंने कहा.

"सच में?" सर्कस मगरमच्छ ने पूछा.

"क्या हम रुक सकते हैं?" उन्होंने डॉक्टर से पूछा.

"बेशक," डॉक्टर ने जवाब दिया.



"पर एक समस्या है," अच्छे डॉक्टर ने कहा.

"हम पुशमी-पुल्ल्यू को जहाज पर कैसे लाएँगे?"





बंदरों को ठीक से पता था कि क्या करना है!

उन्होंने पुशमी-पुल्ल्यू को कुछ ही समय में

जहाज पर चढ़ा दिया.



"अलविदा," डॉक्टर डूलिटल ने कहा,

"पत्र लिखना मत भूलना!"

"समुद्री डाकुओं से सावधान रहना!"

जानवर किनारे से चिल्लाए.

"समुद्री डाकू?" पुशमी-पुल्ल्यू ने कहा.

"चिंता मत करो," डॉक्टर ने कहा

जब जहाज समुद्र में रवाना हुआ.

"पुडलबी में कोई समुद्री डाकू नहीं है."